www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 249 | जौनपुर बुधवार, 29 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर संकट पर पूर्वोत्तर छात्र संगठन ने मांगा त्वरित हस्तक्षेप

अगरतला, (एजेंसी)। पूर्वोत्तर के प्रमुख छात्र संगठनों के शीर्ष निकाय नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (एनईएसओ) ने मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय हिंसा और संकट को लेकर राज्य तथा केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। संगठन ने कहा है कि वर्षों से जारी इस संकट को समाप्त करने और शांति बहाल करने में सरकारें प्रभावी हस्तक्षेप करने में विफल रही हैं। एनईएसओ के अध्यक्ष सैमुअल बी. जिरवा ने सोमवार को कहा कि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में लगातार विफलता शासन व्यवस्था और जिम्मेदारी में गंभीर कमी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि संगठन बिना किसी शर्त के तत्काल, निष्पक्ष और पारदर्शी हस्तक्षेप की मांग करता है, ताकि हिंसा को और बढ़ने से रोका जा सके।जिरवा ने कहा कि न्याय में देरी नहीं होनी चाहिए और इस तरह के जघन्य कृत्यों के जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें कानून के तहत जवाबदेह बनाया जाए तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इससे जनता का विश्वास बहाल होगा और कानून का राज कायम रहेगा। एनईएसओ ने सभी समुदायों और हितधारकों से संयम बरतने, मानवता के मूल्यों को बनाए रखने और शांति के रास्ते पर चलने की अपील की है। संगठन ने एक बयान में कहा कि निहत्थे नागरिकों के खिलाफ बार–बार होने वाली हिंसा गंभीर मानवीय चिंता का विषय है, ।

हरियाणा विधानसभा में कर्मचारियों को सहायता प्रदान करने वाला विधेयक पारित

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने सोमवार को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की अनुपस्थिति में हरियाणा लिपिकीय सेवा (भर्ती और सेवा शर्तें) विधेयक, 2026 पारित करके कर्मचारियों के हित में एक बड़ा कदम उठाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा विधेयक सदन में प्रस्तुत किया गया था। सीएम नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में बोलते हुए कहा कि इस विधेयक से ग्रुप डी (श्रेणी–4) कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया सरल, तेज और अधिक पारदर्शी हो जाएगी।उन्होंने बताया कि 2018 में हरियाणा ग्रुप डी कर्मचारी (भर्ती एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 2018 के माध्यम से ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए एक समान कैडर प्रणाली लागू की गई थी, जिससे क्षेत्रीय कैडर में श्रेणी–4 कर्मचारियों को समान पदोन्नति के अवसर प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पहले सीमित पदों के कारण केवल कुछ ही कर्मचारियों को पदोन्नति मिल पाती थी। इसके अतिरिक्त, विभागों के भीतर भी पदोन्नति के अवसर सीमित थे, जिससे कर्मचारियों के करियर विकास में बाधा उत्पन्न होती थी।उन्होंने कहा कि नए विधेयक के तहत ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए लिपिकीय पदों पर पदोन्नति कोटा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया गया है।

पीएम मोदी ने काशीवासियों को 6332 करोड़ की 163 परियोजनाओं की देंगे सौगात

वाराणसी, (संवाददाता)। अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को काशी आएंगे। यहीं से वे देश भर की महिलाओं को संबोधित करेंगे। यहां काशीवासियों को 6332.08 करोड़ की 163 परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 1054.69 करोड़ की 50 योजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। वे लगभग 20 घंटे काशी में रहेंगे। दो दिवसीय दौरे के पहले दिन पीएम बरेका में आयोजित जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे। देर शाम उप्र चुनाव को लेकर अनौपचारिक बैठक भी कर सकते हैं। यहां रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन सुबह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करने के बाद गंगा एक्सप्रेस–वे का लोकार्पण करने हरदोई के मल्लावा

चले जाएंगे। बरेका के सम्मेलन में 25 हजार महिलाओं की भीड़ का अनुमान है। इस सम्मेलन में राज्यपाल आनंदीबेन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री के दौरे के लिए डिप्टी सीएम और भाजपा के नेता और मंत्री वाराणसी आ रहे हैं। पीएम मंगलवार दोपहर बाद लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचेंगे। यहां से हेलिकॉप्टर से बरेका जनसभा स्थल करीब 5 बजे पहुंचेंगे। सबसे लंबा रोड शो करेंगे पीएम, एक साल बाद दर्शन के लिए आ रहे हैं पीएम पिछली बार नवंबर 2025 में आए थे। 29 अप्रैल को पीएम सबसे लंबा रोड शो करेंगे। 15 किमी के इस रोड शो में पीएम बरेका से मंडुवाडीह होते हुए फुलवरिया फ्लाईओवर के रास्ते लहुराबीर– मैदगिन होते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचेंगे। इससे पहले पीएम ने काशी में अपना रोड शो पिछले लोकसभा चुनाव में पर्चा भरने के पहले 13 मई को बीएचयू से विश्वनाथ मंदिर तक किया था। 29 तारीख को पीएम लगभग एक साल बाद दर्शन के लिए आ रहे हैं। ये नितिन नवीन के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका पीएम के साथ पहला वाराणसी दौरा भी है।

सलीम डोला के प्रत्यर्पण से ड्रग माफिया पर सख्ती का संदेश : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा मंगलवार को तुर्की से ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश में ड्रग माफिया और नार्को सिंडिकेट के खिलाफ सरकार की श्जीरो टॉलरेंसश नीति लगातार जारी है और इस दिशा में एजेंसियां मजबूती से काम कर रही हैं। अमित शाह ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया, भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने आज तुर्की से कुख्यात ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को वापस लाने में एक बड़ी सफलता हासिल की है। मोदी सरकार के ड्रग कार्टेल को पूरी तरह से खत्म करने के मिशन के तहत हमारी नार्को रोधी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के जरिए सीमाओं के पार भी अपनी पकड़ बना ली है। अब वे कहीं भी छिप जाएं, ड्रग सरगनाओं के लिए कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है। ड्रग्स के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े बड़े नामों में शामिल सलीम डोला को मंगलवार को आखिरकार भारत लाया गया। माना जाता है कि वह दाऊद इब्राहिम का करीबी रहा है और लंबे समय से ड्रग तस्करी के धंधे में सक्रिय था। सलीम को दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट पर डिपोर्ट किया गया, जहां से खुफिया एजेंसियों ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर किए गए एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा थी। सलीम डोला को तुर्की के इस्तांबुल में स्थानीय पुलिस और खुफिया इकाइयों ने गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई।

भारत और रूस के रक्षा मंत्रियों की मुलाकात, अंतरराष्ट्रीय हालात व रक्षा सहयोग पर बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद राजनाथ सिंह ने इस बातचीत को बेहतरीन और सार्थक बताया। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मंगलवार को भारत और रूस के बीच यह अहम द्विपक्षीय वार्ता हुई। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक स्तर पर सुरक्षा चुनौतियां तेजी से बदल रही हैं। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हालात पर विस्तार से चर्चा हुई। खास तौर पर रक्षा सहयोग, सैन्य तकनीक और संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत और रूस के बीच लंबे समय से मजबूत रक्षा संबंध रहे हैं। भारतीय सशस्त्र बलों में उपयोग होने वाले कई प्रमुख सैन्य उपकरण और प्लेटफॉर्म रूस से जुड़े हैं। इसमें लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां और मिसाइल प्रणाली जैसे अहम संसाधन शामिल हैं, जो भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत बनाते हैं। दोनों देश रक्षा उत्पादन में सहयोग को और विस्तार देने पर सहमति जताते रहे हैं। भारत में ही संयुक्त रूप से रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी और तकनीकी क्षमता में भी वृद्धि होगी। दोनों पक्ष समय समय पर रक्षा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी करते हैं। तय समयसीमा में रक्षा परियोजनाओं को पूरा को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति है।

पिछले 15 वर्षों में टीएमसी ने बंगाल को किया कंगाल – मुख्यमंत्री योगी

हुगली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के धानेखाली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की वर्तमान स्थिति पर तीखा प्रहार किया। सीएम योगी ने कहा कि कभी कला, साहित्य और औद्योगिक समृद्धि के लिए पहचान रखने वाला बंगाल आज बदहाली की ओर धकेल दिया गया है। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी सरकारों और पिछले 15 वर्षों से टीएमसी ने बंगाल को कंगाल कर दिया है। जब हम जय श्रीराम या हर–हर महादेव का नारा लगाते हैं तो ममता दीदी डर जाती हैं। उन्हें सत्ता हिलती हुई नजर आती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की इस पावन धरा ने श्री चौतन्य महाप्रभु को जन्म दिया, जिन्होंने हरि–कीर्तन के माध्यम से "हरे राम–हरे कृष्ण" का

शंखनाद किया था। इसी धरा में स्वामी विवेकानंद ने दुनिया के हिंदुओं को संदेश दिया था कि "गर्व से कहो हम हिंदू हैं। आज जब टीएमसी सरकार बंगाल की डेमोग्राफी को साजिश के तहत बदलने की कोशिश कर रही है, तब स्वामी विवेकानंद जी का यह उद्घोष हम सबको एक नई प्रेरणा दे रहा है। यह बंगाल की धरा है, जिसने भारत के युवाओं की भुजाओं में नया जोश भरने वाले नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महान नेता को जन्म दिया। सीएम योगी ने कहा कि नेताजी ने कहा था कि "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।" वह बंगाल, जो कभी कला और साहित्य के कारण भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहलाता था और अपने कल–कारखानों के कारण भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था, उस बंगाल में ममता दीदी "जय श्रीराम" और "हर–हर महादेव" का नारा लगाने पर नाराज हो जाती हैं। उन्हें अपनी सत्ता हिलती दिखाई देने लगती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हाल में तारकेश्वर में भगवान तारकनाथ के दर्शन करके आया हूं। अगर यहां डबल इंजन की भाजपा सरकार होती।

लद्दाख में बने पांच नए जिले, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने किया ऐलान

श्रीनगर, (एजेंसी)। लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना ने सोमवार को लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन की घोषणा की, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में जिलों की संख्या मूल रूप से दो से बढ़कर सात हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख के उपराज्यपाल ने नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास नामक पांच नए जिलों के गठन की घोषणा की है, जिससे जिलों की कुल संख्या दो (लेह और कारगिल) से बढ़कर सात हो गई है। इस कदम का उद्देश्य प्रशासन का विकेंद्रीकरण करना, दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना और बेहतर शासन के लिए लंबे समय से लंबित स्थानीय मांगों को पूरा करना है। पांच नए जिलों में से नुब्रा अपने रणनीतिक स्थान और उच्च ऊंचाई

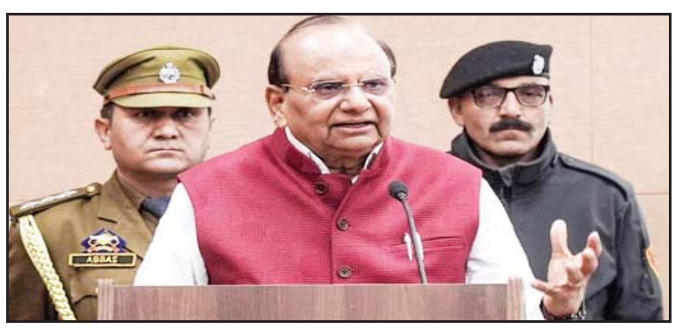

के लिए जाना जाता है, जिसका उद्देश्य पर्यटन अवसंरचना का विकास करना है। शाम अपने क्षेत्र में स्थानीय शासन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है। चांगथांग प्राचीन जनजातियों के संरक्षण और सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने को प्राथमिकता देता है। जांस्कर, सड़क संपर्क और पर्यटन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। द्रास, बुनियादी ढांचे के निर्माण और सेना के अड्डे को सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है और अपने रणनीतिक महत्व के लिए जाना जाता है। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए शासन व्यवस्था को सुलभ बनाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार करना है। इस निर्णय को मूलरूप से अगस्त 2024 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था और अप्रैल 2026 में आधिकारिक तौर पर अधिसूचित किया गया था। इन प्रशासनिक परिवर्तनों का उद्देश्य भौगोलिक रूप से विशाल, लेकिन कम आबादी वाले केंद्र शासित प्रदेश के भीतर स्थित विविध क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना है। लद्दाख के दो प्रतिनिधि निकाय, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) 2021 से ही राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल किए जाने, नौकरी की सुरक्षा और लोक सेवा आयोग की मांग को लेकर सक्रिय रूप से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। चेरिंग दोरजे और सोनम वांगचुक जैसे कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में एलएबी केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ इन मांगों पर बातचीत करने के लिए केडीए के साथ मिलकर काम करता है।

भाजपा सरकार में बिहारी होना सबसे बड़ा अपराध – तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने दिल्ली में बिहार के खगड़िया निवासी पांडव कुमार की हत्या को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पांडव कुमार की सिर्फ इसलिए गोली मारकर हत्या कर दी गई क्योंकि वह 'बिहारी' था। 'बिहारी होने के अपराध' में ही उसका दोस्त कृष्ण जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में जिस जगह शबिहारीश जानकर गोली मारी गई है, वहां निगम पार्षद, विधायक, सांसद भाजपा के हैं। उन्होंने आगे लिखा, ष्यही नहीं, सीएम भी भाजपा की हैं, बिहार सीएम भी भाजपा के हैं और आधा दर्जन निष्क्रिय बड़बोले केंद्रीय मंत्री बिहार के, उपराज्यपाल भाजपा के, गृहमंत्री और प्रधानमंत्री भी भाजपा के हैं। भाजपा बिहारियों के लिए काल बन चुकी है। राजद नेता ने सवालिया लहजे में कहा कि क्या इन भाजपाइयों में किसी में हिम्मत है कि एक गरीब मेहनतकश बिहारी की हत्या करने वाले उस हत्यारे पुलिसकर्मी को सजा दिलवा सके? उन्होंने कहा कि असल में, 21 वर्षों की नीतीश–भाजपा की खराब नीतियों के कारण बिहारवासियों को मजबूरन दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है, और दूसरे राज्यों की भाजपा सरकार और प्रशासन मेहनतकश बिहारियों को सम्मान नहीं बल्कि शक, नफरत और हीनभावना की नजर से देखती है।

रूस के बाद भारत व्यावसायिक स्तर पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर संचालित करने वाला विश्व का दूसरा देश भारत होगा : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान मंत्री मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि रूस के बाद भारत व्यावसायिक स्तर पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर संचालित करने वाला विश्व का दूसरा देश होगा। सांसदों और विधायकों की "लघु मॉड्यूलर रिएक्टर" कार्यशाला को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आज सोमवार को कहा कि भारत ने तमिलनाडु के कलपक्कम में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए 500 मेगावॉट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) को विकसित करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस रिएक्टर ने 6 अप्रैल, 2026 को पहली क्रिटिकैलिटी प्राप्त की। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीकार) द्वारा विकसित और भाविनी द्वारा निर्मित यह रिएक्टर, भारत के तीन चरणों वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत का प्रतीक है। यह रिएक्टर यूरेनियम–प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करके खपत से अधिक ईंधन का उत्पादन करता है। इस उपलब्धि के साथ, भारत अपनी परमाणु रणनीति के तीसरे चरण में अपने विशाल थोरियम भंडार का लाभ प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्णतः चालू होने पर, भारत रूस के बाद व्यावसायिक स्तर पर फास्ट ब्रीडर रिएक्टर संचालित करने वाला विश्व का दूसरा देश बन जाएगा। सत्र की अध्यक्षता तरुण चुघ ने की। इस दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस उपलब्धि का महत्व इस तथ्य में निहित है कि इसके साथ ही भारत अपनी परमाणु रणनीति के तीसरे चरण में अपने विशाल थोरियम भंडार का लाभ प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारतीयों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया हालात पर भारत की नजर – विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम एशिया के हालातों पर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को बताया कि भारत ने क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर करीब से नजर बनाए रखी है और खाड़ी देशों के साथ अपने संपर्कों को और मजबूत किया है। एमईए के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल पश्चिम एशिया संकट पर हुई एक अंतर–मंत्रालयी बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के आधिकारिक दौरे पर गए थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री के निर्देश पर भारत ने खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ अपने संबंध और मजबूत किए हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 25–26 अप्रैल को यूएई का दौरा किया। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात की और प्रधानमंत्री की तरफ से उनके लिए शुभकामनाएं दीं। दोनों पक्षों ने भारत–यूएई के व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की। साथ ही क्षेत्रीय हालात और अन्य आपसी मुद्दों पर भी बात हुई।" इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 11–12 अप्रैल को यूएई का दौरा किया था। उन्होंने वहां अपने समकक्ष से मुलाकात की और यूएई के राष्ट्रपति से भी मिले। खासकर हाल के संघर्ष के दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई का ध्यान रखने के लिए धन्यवाद दिया। वहीं इसी ब्रीफिंग के दौरान एमईए के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर. महाजन ने कहा कि मंत्रालय पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय में एक खास कंट्रोल रूम चल रहा है, जो भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों के सवालों का जवाब दे रहा है। उन्होंने कहा, "विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया के हालात पर लगातार नजर रखे हुए है। हमारा पूरा ध्यान वहां रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई पर है। हम राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ लगातार संपर्क में हैं, ताकि जानकारी साझा की जा सके और मिलकर काम किया जा सके।

संपादकीय

तस्वीरों में जिंदगी का हर रंग उकेरने वाले छायाकार

सुविख्यात छायाकार रघु राय इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। अब वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे हमारे बीच हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में है जहां ईमानदारी है। 'मौत का और तस्वीर के क्षण का कोई ऐतबार नहीं,कहीं भी मिल सकते हैं'– हमेशा कैमरा अपने साथ रखने की वजह इस एक पंक्ति में बताने वाले विश्वप्रसिद्ध छायाकार, पद्मश्री से सम्मानित 83 वर्षीय रघु राय गत 26 अप्रैल की सुबह इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। रघु राय के भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं रहने की दुरूखद मनोस्थिति में यह लेख लिखा जा रहा है किन्तु अपनी गहन दृष्टि से क्लिक की गयी तस्वीरों के जरिये वे अदृश्य रूप से हमेशा बने रहेंगे। उनकी उपस्थिति उनकी हर क्लिक की गयी हर तस्वीर के उस फ्रेम में है जहां सत्य है, हर उस प्रकाश में जहां करुणा है, हर उस कैमरे में जहां ईमानदारी है। बिना किसी प्रशिक्षण अपने जीवन की पहली तस्वीर एक गधे की क्लिक करने वाले रघु राय ने उपकरण मात्र माने जाने वाले कैमरे को समर्पण, सूझबूझ और सतत साधना के बल पर संवेदना,सत्य और समय का ऐसा साक्षी बनाया कि उनकी क्लिक की गयी तस्वीरें देश के जनमानस में हमेशा गहरे छायी रहेंगी। दिल्ली की गलियों से लेकर हिमालय की ऊंचाइयों तक, राजनीति से लेकर जनजीवन तक, और अध्यात्म से लेकर मानवीय संघर्ष तक उनकी तस्वीरें जनता की सामूहिक यादद्ध्दाश्त है। पंजाब के एक आम नौकरीपेशा परिवार के रघु राय ने आजीविका के लिए सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके एक साल सरकारी नौकरी भी की। रचनात्मक सोच के चलते सरकारी नौकरी में तयशुदा ढर्रे पर चलना मुनासिब न समझा तो नौकरी छोड़ अपने बड़े भाई के पास दिल्ली आये। संयोग से बड़े भाई से कैमरा लेकर भाई के मित्र के साथ उनके गांव गये। गांव में गधे के एक छोटे बच्चे की तस्वीर लेने की कोशिश की तो वह भाग गया। रघु राय ने उसका पीछा किया। थक–हारकर जब वो बच्चा रुका तो तुरंत तस्वीर खींच ली। यही तस्वीर वर्ष 1965 में लंदन टाइम्स में छपी तो सिविल इंजीनियर रघु राय रातोंरात स्टार फोटोग्राफर रघु राय हो गये, प्रारब्ध शायद इसी को कहते हैं। छह दशक तक रघु राय और कैमरा एक–दूसरे के पर्याय बने रहे, काम के दम पर इज्जत–शोहरत, इनाम–इकराम उनकी झोली में स्वतरू आते रहे लेकिन काम करने की जिजीविषा अंतिम सांस तक रही।

नेताओं के सोशल मीडिया पर गर्मी की चर्चा

नेताओं के बहाने ही सही लेकिन पूरे देश में भीषण गर्मी का मसला अब सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। सामान्य तौर पर तो मीडिया संस्थान अपने न्यूज बुलेटिन में टेल पीस यानी पुछल्ले की तरह मौसम का हाल बता ही देते हैं कि तापमान कितना रहेगा, उमस रहेगी या हवा चलेगी, बारिश होगी या केवल बादल छाए रहेंगे, और इसके अलावा मौसम से जुड़ी खबर तभी आती है जब आम जनता के मरने की नौबत आ जाए। जैसे भीषण गर्मी और लू की चपेट से फलानी–फलानी जगह पर इतने दिनों में इतनी मौतें। या बाढ़ के कारण जान–माल की बड़ी हानि। हाड़–मांस के जीते–जागते लोग मौसम की मार के कारण कब मौत के आंकड़ों में तब्दील हो जाते हैं, देश उस पर ध्यान ही नहीं देता। मौसम से मरने वालों के नाम खबरों में नहीं आते, क्योंकि वे बेहद आम और गरीब लोग होते हैं। आसमान से गिरने वाली बिजली भी जानती है कि गरीब कहां खड़ा है, उसी पर गिरती है। लू भी यही जानती है कि उसके लिए गरीब का घर ही खुला है, क्योंकि वहां एसी, कूलर तो दूर की बात पंखा भी नसीब नहीं होता। खस के पर्दे लगाने जैसे पारंपरिक तरीकों से ही थोड़ा बहुत बचाव करने की कोशिश होती है।तो ऐसी गर्मी सालों साल से हिंदुस्तान के आम आदमी को झुलसा रही है, लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा है। एक तो बिहार की नवनिर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने अपने क्षेत्र अलीनगर का दौरा किया और वहां लोगों ने बिजली कटौती की शिकायत की, तो उनका जवाब था बाप रे बाप! इतनी गर्मी में बिजली नहीं आती। अच्छी बात है कि विधायक महोदया को अहसास तो हुआ कि गर्मी में बिना पंखे के गुजारा करना कितना मुश्किल होता है। उन्होंने फौरन बिजली विभाग में फोन लगाया और कहा कि हमारा नाम खराब हो रहा है यहां की कटौती रोकिए। उसके बाद अपनी जनता से कहा कि चार दिन में बिजली आ जाएगी। इस पर वहां की जनता खुश हुई और ये सारा वाकया बाकायदा रिकार्ड होकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया। अब इसे कितने लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं, उसे परख कर शायद मैथिली ठाकुर अपने अगले वीडियो की तैयारी करें। वे मोदीजी की पार्टी भाजपा की विधायक हैं, जहां सब लोग उन्हीं से प्रेरित होकर अलग–अलग एंगल्स से वीडियो बनाकर अपलोड करवाते हैं। काम हो न हो, वीडियो अच्छा चलना चाहिए। वैसे मैथिली ठाकुर को जनता से कहना चाहिए था कि पांच साल तक गर्मी बर्दाश्त कर लें, तब तक भागलपुर में अडानी बिजली संयंत्र तैयार हो जाएगा, जिसमें वादा है कि बिहार के लोगों के लिए सस्ती बिजली दी जाएगी। आखिर इसी वादे के लिए तो हजार एकड़ जमीन अडानी समूह को दी गई और यहां लगे आम, लीची और सागौन के करीब 10 लाख पेड़ काटने की इजाजत भी दी गई है। अब अगर घनी अमराइयां और घने, फलदार पेड़ शहरों–गांवों में दिखते रहें तो लगेगा कि हम पुराने जमाने में जी रहे हैं, जबकि सरकार को विकास दिखाना है, इसलिए पेड़ों को काटना और कारखाने लगाना जरूरी है।केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शायद ऐसा ही कुछ समझाना चाहते हैं। क्योंकि उनका भी एक वीडियो काफी वायरल हुआ है, जिसमें वह कह रहे हैं कि संचार मंत्री जेब में प्याज रखकर घूमता है। श्री सिंधिया ने ये भी बताया कि वह गाड़ी में एसी नहीं चलाते हैं और 51 डिग्री तापमान वाली गर्मी और गर्म हवा के थपेड़ों का सामना करने के लिए जेब में प्याज रखते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में जेब से प्याज निकालकर लोगों को दिखाया और कहा कि जेब में प्याज रखो और गर्मी से बचे रहो। मोदीजी का चेला बनने के सारे गुण श्री सिंधिया ने अर्जित कर लिए हैं, ये इस वीडियो से समझ आता है। एक तरफ अपनी ताकत और संपन्नता का निर्लज्ज प्रदर्शन और दूसरी तरफ गरीब के जख्मों को कु रेदना, ये दोनों काम मोदी भी बढ़िया करते हैं और अब सिंधिया भी वही कर रहे हैं। गाड़ी में एसी न चलाकर वो अपना एहसान दिखा रहे हैं। लेकिन क्या उन्हें इस बात का एहसास है कि आम आदमी न गाड़ी खरीद पाता है, न एसी। और रहा सवाल प्याज रख कर लू से बचने का, तो ये भी पारंपरिक इलाज के नाम पर फैलाए गए हजारों मिथ में से ही एक है। बेशक प्याज में मौजूद तत्व शरीर के लिए कई तरह से लाभदायक होते हैं।

बंगाल– मताधिकार पर डाका या जनतंत्र का अपहरण

राजेन्द्र

याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।पिछले साल के शुरू में जब बिहार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण उर्फ सर की प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी जनतंत्र की तथा आम जनता के अधिकारों की चिंता करने वाले अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने और इनमें विपक्षी राजनीतिक पार्टियां भी शामिल थीं, देश को आगाह किया था कि जिस तरह से इस प्रक्रिया को गढ़ा गया था और विधानसभाई चुनाव से पहले पूरा करने की जल्दबाजी में और इकतरफा फैसलों के जरिए जिस तरह संचालित किया जा रहा था, वह बड़ी तादाद में लोगों को मताधिकार से वंचित करने का ही साधन बनेगा। इसमें गरीब–गुरबा, सामाजिक रूप से कमजोर, अशिक्षित या कम शिक्षित लोगों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के मताधिकार के लिए खतरे की ओर खासतौर पर ध्यान खींचा गया थाउसके करीब एक साल बाद, जबकि देश के बड़े हिस्से में, जिसमें विधानसभा चुनाव के मौजूदा चक्र में शामिल राज्य खासतौर पर शामिल हैं और 2024 के आम चुनाव के बाद, सामान्य रूप से अपडेट की गयी मतदाता सूचियों के अनुसार देश के करीब 60 करोड़ मतदाता आते थे, मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के नाम पर करीब 6 करोड़ यानी कुल 10 फीसदी मतदाताओं की छंटनी कर दी गयी है। इस पूरी कसरत का मकसद ही मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के बजाए, मतदाताओं के खासे बड़े हिस्से का बहिष्करण ही होने और देश के वर्तमान सत्ताधिकारियों के राजनीतिक फायदे के लिए मतदाताओं के चुनिंदा हिस्सा का बहिष्करण होने में अगर किसी को संदेह रहा भी होगा तो, पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के जरिए जिस तरह से 35 लाख लोगों को कम से कम मौजूदा चुनाव में तो मताधिकार से वंचित कर ही दिया गया है, उससे दूर हो जाना चाहिए। जाहिर है कि सर प्रक्रिया के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा लाखों लोगों का मताधिकार छीने जाने की वंचना, सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से कम नहीं हो जाती है कि वे अगले चुनावों के लिए मतदाता सूची में अपनी जगह बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रख सकते हैं!याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। यह दूसरी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अब तक इस चुनौती पर तो निर्णय नहीं दिया है, उल्टे अपने अनेक हस्तक्षेपों के जरिए उसने, सर की प्रक्रिया को लागू कराने के लिए सुगमताकारक की ही भूमिका जरूर बड़े उत्साह से संभाली है। प0 बंगाल का 34 लाख लोगों का मताधिकार, चुनाव के बाद तक न्यायाधीन बने रहने का भयावह कांड, इसी का नतीजा है।फिर भी यह कहना पड़ेगा कि बंगाल को यह अनोखा श्तोहफाश सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दिया था। यह तोहफा दिया था चुनाव आयोग ने, जिसे बंगाल के मामले में एसआइआर के लिए शेष देश में अपनायी गयी प्रक्रिया के जरिए, पचास लाख से ज्यादा नामों के काटे जाने से संतोष नहीं हुआ था। इसका सीधा सा कारण विभिन्न स्तरों पर केंद्रीय सत्ता की इस शिकायत में छिपा था कि चूंकि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में थी, उसने जरूर राज्य कर्मचारी तंत्र से जुड़े बीएलओ आदि को प्रभाव में लेकर, नाम कटने वाले मतदाताओं की संख्या कम करा दी होगी। याद रहे कि बिहार से सर की प्रक्रिया शुरू होने के समय से ही, संघ–भाजपा और उसकी केंद्रीय सत्ता द्वारा इसका प्रचार किया जा रहा था कि, इस छंटनी का असली मकसद बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता सूचियों से निकालना था। यह सत्ताधारी संघ–भाजपा के इस आम प्रचार से बखूबी मेल खाता है कि भारत के विभिन्न हिस्सों में बहुत भारी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिये आकर जम गए हैं। याद रहे कि पिछले साल अप्रैल में पहलगांव के आतंकवादी हमले के बाद, खासतौर पर उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में, जिसमें राजधानी तथा उसके आस–पास के इलाके खासतौर पर शामिल थे, बांग्लादेशी होने के संदेह के नाम पर, बड़ी संख्या में बंगाली मुसलमानों की पकड़–धकड़ और कहीं–कहीं उन्हें जबरन बांग्लादेश की सीमाओं में धकेलने की मुहिम भी छेड़ी गयी थी। इस पृष्ठङ्भूमि में सर प्रक्रिया से हिंदुत्ववादी ताकतों की कथित घुसपैठिया–विरोधी और वास्तव में मुस्लिम–विरोधी अपेक्षाएं और भी बढ़ गयीं।बेशक, बिहार में और उसके बाद में दूसरे कई राज्यों में भी सर की प्रक्रिया के जरिए, किसी उल्लेखनीय संख्या में घुसपैठियों की पहचान होने की सचाई सामने नहीं आयी। वास्तव में चुनाव आयोग द्वारा सर के नाम पर, 2002–03 की मतदाता सूचियों से संबंध स्थापित करने और विभिन्न दस्तावेजों की मांग के जरिए, एक प्रकार से नागरिकता परीक्षा थोपे जाने के बावजूद, किसी उल्लेखनीय संख्या में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के नाम भी छंटनी नहीं आ पाए थे। इसके बजाए, गरीबों, अशिक्षितों या कम शिक्षितों तथा महिलाओं के अलावा, बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों पर ही इस छंटनी की गाज गिरी थी, जिनमें, कमाई के अस्थायी रूप से बाहर जाने वाले और इसी तरह बाहर से आकर संबंधित क्षेत्र में रहने वाले मजदूर ही ज्यादा थे।बहरहाल, बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी घुसपैठ के सत्ताधारी संघ–भाजपा के नैरेटिव को और वास्तव में उनके चुनावी हितों को आगे बढ़ाने की चुनाव आयोग की तत्परता में, घुसपैठियों के नहीं मिलने की सचाई से कोई कमी नहीं आयी। उल्टे उसकी यह धारणा को और पक्की हो गयी कि बंगाल में और जाहिर है । कि असम में भी, बहुत बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूचियों में होंगे ही। लेकिन, चूंकि असम में मतदाता सूची में इस तरह की छंटनी सत्ताधारी पार्टी के हित में नहीं बैठती थी और इस राज्य में परिसीमन के जरिए, विधानसभाई सीटों को सत्तापक्ष के हितों के हिसाब से पहले ही ढाला जा चुका था।

चीन, बांग्लादेश, नेपाल, के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने बदल डाले साउथ एशिया के समीकरण

नीरज

भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को निर्णायक रूप से अपने पक्ष में ढालने की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच भारत ने संवाद, रणनीति और शक्ति संतुलन के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूती से स्थापित किया है। चीन से लेकर दक्षिण एशिया के अन्य देशों तक, हर मोर्चे पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय स्थिरता का केंद्र है, बल्कि भविष्य की वैश्विक दिशा तय करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। सबसे पहले भारत और चीन संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद संवाद की प्रक्रिया जारी है। ब्रिक्स तंत्र के अंतर्गत सहयोग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चीन ने भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है और भारत ने भी इस मंच पर चीन की भूमिका की सराहना की है। हाल ही में चीन के विशेष दूत झाई जुन ने नई दिल्ली में बैठक के दौरान यह कहा कि दोनों देश प्रमुख विकासशील राष्ट्र होने के नाते अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए हुए हैं। भारत की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि क्षेत्रीय तनाव को कम करने और शांति स्थापित करने के लिए ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि ब्रिक्स सम्मेलन के लिए चीन के शीर्ष नेतृत्व का भारत दौरा प्रस्तावित है, जो गलवान घटना के बाद संबंधों में एक नई दिशा का संकेत देता है। एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा भी दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं भारत और नेपाल संबंधों पर नजर डालें तो हाल के घटनाक्रम सहयोग के नए अवसरों की ओर इशारा करते हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद वहां भारत का पहला उच्च स्तरीय संपर्क होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी काठमांडू जाने की तैयारी में हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे व्यापार, ऊर्जा और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिल सकती है। साथ ही, यह भी संकेत मिला है कि भारत नेपाल के नए नेतृत्व के साथ प्राथमिकताओं को समझकर आगे बढ़ना चाहता है। नेपाल द्वारा अमेरिका और चीन के साथ भी संपर्क बढ़ाने के बीच भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। अब भारत और बांग्लादेश संबंधों की बात करें तो हाल के समय में इसमें उतार चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन अब दोनों देश संबंधों को पुनः मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में अपने उच्चायुक्त के रूप में एक अनुभवी राजनेता दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति की है, जो इस संबंध की संवेदनशीलता को दर्शाता है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास को दूर करने के प्रयास तेज हुए हैं। हाल ही में उच्च स्तरीय बैठकों में व्यापार, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेकर यह संकेत दिया कि वह संबंधों को स्थिर और सकारात्मक दिशा में ले जाना चाहता है। दोनों देशों के बीच लगातार संवाद जारी है, जो दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है। वहीं भारत और श्रीलंका संबंधों की चर्चा करें तो यहां सहयोग का स्वरूप अधिक व्यावहारिक और सामरिक दिखाई देता है। भारत ने श्रीलंका की तटरक्षक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपकरण सौंपे हैं, जिससे समुद्री सुरक्षा और खोज बचाव कार्यों में सुधार होगा। इसके साथ ही दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास आयोजित किया गया, जिससे आपसी तालमेल और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिला। इस अभ्यास में विशेष समुद्री संचालन और प्रशिक्षण शामिल थे, जो सुरक्षा सहयोग की गहराई को दर्शाते हैं। इसके अलावा भारत ने मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा इकाइयां भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जो आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं में मददगार होंगी। अब इन सभी संबंधों का सामरिक विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संतुलित, सहयोगात्मक और बहुआयामी संबंध स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाहे वह चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देश के साथ संवाद बनाए रखना हो, नेपाल के साथ पारंपरिक संबंधों को नया आयाम देना हो, बांग्लादेश के साथ राजनीतिक बदलाव के बावजूद साझेदारी को मजबूत करना हो या श्रीलंका के साथ रक्षा और मानवीय सहयोग बढ़ाना हो, भारत की नीति में निरंतरता और स्पष्टता दिखाई देती है। देखा जाये तो मोदी सरकार की विदेश नीति का एक प्रमुख पहलू यह रहा है कि उसने पड़ोसी देशों को प्राथमिकता दी है। पड़ोसी पहले की नीति के तहत भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि क्षेत्रीय स्थिरता और विकास में उसकी भूमिका निर्णायक बनी रहे। इस नीति के तहत संवाद, सहायता, निवेश और सुरक्षा सहयोग को समान महत्व दिया गया है। भारत ने जहां एक ओर कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा है, वहीं दूसरी ओर व्यावहारिक सहयोग के माध्यम से विश्वास भी मजबूत किया है। देखा जाये तो इन प्रयासों का प्रभाव केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलेगा। एक स्थिर और सहयोगपूर्ण दक्षिण एशिया वैश्विक शांति, व्यापार और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारत यदि अपने पड़ोस में स्थिरता स्थापित करता है, तो यह उसे एक जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। बहरहाल, वर्तमान घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध धीरे धीरे बेहतर दिशा में बढ़ रहे हैं। संवाद, सहयोग और संतुलन की यह नीति आने वाले समय में क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की विश्वसनीयता में कमी एक प्रणालीगत विफलता

के रवीन्द्रन

चुनाव आयोग का अधिकार जनता के इस विश्वास पर टिका है कि सभी पार्टियां उसके समक्ष समान शर्तों पर खड़ी हैं। जब यह विश्वास कमजोर हो जाता है, तब भी चुनाव कराए जा सकते हैं, मशीनें अभी भी काम कर

सकती हैं, मतदान केंद्र तब भी खुल सकते हैं, और परिणाम तब भी घोषित किए जा सकते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया का लोकतांत्रिक अर्थ खत्म होने लगता है। फिर सवाल यह हो जाता है कि क्या वोट गिने गए थे या नही। राज्यसभा के 70 से अधिक विपक्षी सदस्यों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक नया संवैधानिक मोर्चा खोला है, और उन्हें श्साबित दुर्व्यवहारश के आधार पर हटाने के लिए एक नया नोटिस प्रस्तुत किया है। यह कदम पहले के एक प्रयास को खारिज कर दिए जाने के बाद आया है और यह आदर्श आचार संहिता के पक्षपातपूर्ण प्रवर्तन, मतदाता सूची संबंधी चिंताओं, एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल की सार्वजनिक निंदा और एक संवैधानिक प्राधिकारी के लिए अशोभनीय आचरण सहित आरोपों पर केंद्रित है।संख्यात्मक और संस्थागत दृष्टि से प्रयास का विफल होना लगभग तय है। एक मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की तरह एक प्रक्रिया के माध्यम से हटाया जा सकता है, जिसके लिए दो–तिहाई संसदीय बहुमत की आवश्यकता होती है जो विपक्ष के पास नहीं है। वह उच्च सीमा चुनाव आयोग को नियमित राजनीतिक दबाव से बचाने के लिए बनाई गई थी। फिर भी वही सुरक्षा तब अप्रभावी हो जाती है जब मुख्य विवाद केवल संख्या के बारे में नहीं बल्कि रेफरी की तटस्थता में जनता के विश्वास के बारे में होता है।नोटिस का यही गहरा महत्व है। विपक्ष भले ही ज्ञानेश कुमार को हटा न सके, लेकिन उनकी पद पर बने रहने को संस्थागत विश्वसनीयता का सवाल बनाने में कामयाब हो गया है। ज्ञानेश कुमार की स्थिति विशेष रूप से कमजोर है क्योंकि चुनाव प्रशासन जबरदस्ती के अधिकार से अधिक विश्वास पर निर्भर करता है। अदालतें बाध्यकारी आदेश जारी कर सकती हैं। सरकारें कार्यकारी शक्ति तैनात कर सकती हैं। चुनाव आयोग का अधिकार जनता के इस विश्वास पर टिका है कि सभी पार्टियां उसके समक्ष समान शर्तों पर खड़ी हैं। जब यह विश्वास कमजोर हो जाता है, तब भी चुनाव कराए जा सकते हैं, मशीनें अभी भी काम कर सकती हैं, मतदान केंद्र तब भी खुल सकते हैं, और परिणाम तब भी घोषित किए जा सकते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया का लोकतांत्रिक अर्थ खत्म होने लगता है। फिर सवाल यह हो जाता है कि क्या वोट गिने गए थे या नहीं, इस पर केंद्रित हो जाता है कि क्या नागरिकों का मानना है कि मुकाबला निष्पक्ष था।संविधान निर्माताओं को राजनीतिक हस्तक्षेप से खतरे की आशंका थी, इसीलिए उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्तको हटाने से असाधारण सुरक्षा दी। लेकिन उन्होंने एक सार्वजनिक संस्कृति की भी कल्पना की जिसमें संवैधानिक पदधारक संयम, शर्म और संस्थागत स्मृति से बंधे हुए महसूस करेंगे। उन्होंने कल्पना की कि ऐसे पद पर नियुक्त व्यक्ति न केवल कानूनी छूट के प्रति बल्कि नैतिक दायित्व के प्रति भी सचेत होगा। वह धारणा एक अलग युग की थी। यह इस विश्वास पर आधारित था कि कुलीन आचरण को सम्मेलनों द्वारा नियंत्रित किया जाएगा, यहां तक कि जहां कानून चुप थे।वे परंपराएं धूमिल हो गई हैं। सभी संस्थानों में, कानून को अक्षरशरू और उसके मर्म के तहत नैतिक आचरण के लिए आधार के बजाय उत्तरदायित्व के विरुद्ध एक ढाल के रूप में माना जा रहा है। अब तर्क यह नहीं है कि क्या किसी पद–धारक को तटस्थ दिखना चाहिए, बल्कि यह है कि क्या आलोचक लगभग असंभव सीमा से परे कदाचार साबित कर सकते हैं। यह उलटफेर खतरनाक है। यदि सार्वजनिक अधिकारी इस तरह कार्य करते हैं मानो दंडनीय हर चीज की अनुमति नहीं है तो संवैधानिक नैतिकता जीवित नहीं रह सकती। कोई भी लोकतंत्र केवल तकनीकी वैधता पर नहीं चल सकता, वरन इसके लिए निष्पक्षता, सत्ता से दूरी और प्रत्यक्ष स्वतंत्रता की आदतें आवश्यक हैं। यदि हर चुनौती प्रक्रियात्मक अंत्येष्टि में समाप्त हो जाती है, तो नागरिक यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि संवैधानिक सुरक्षा उपाय केवल कागजों पर मौजूद हैं।बड़ा मुद्दा नियुक्तियों और निष्कासन के डिजाइन का है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पहले से ही एक विवादित मामला बन गया है क्योंकि चयन प्रक्रिया पर नियंत्रण संस्था के चरित्र को निर्धारित करता है। ऐसी प्रणाली जिसमें कार्यपालिका नियुक्तियों पर निर्णायक प्रभाव रखती है और फिर उन नियुक्त व्यक्तियों के निर्णयों से लाभ उठाती है, कदाचार का आरोप लगने से पहले ही धारणा की समस्या पैदा करती है। यह धारणा तब और गहरी हो जाती है जब समान राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र की सहमति या स्वीकृति के बिना अधिकारियों को संवैधानिक पदों से हटाना व्यावहारिक रूप से असंभव होता है। राजनीति इसलिए नए सुरक्षा उपाय पक्षपातपूर्ण सुविधा का मामला नहीं बल्कि लोकतांत्रिक आवश्यकता है। चुनाव आयोग में नियुक्ति को वास्तव में संतुलित चयन समिति, व्यापक जांच, पारदर्शी मानदंड और दर्ज कारणों के माध्यम से कार्यकारी प्रभुत्व से मुक्त किया जाना चाहिए। उत्पीड़न को रोकने के लिए निष्कासन काफी कठिन रहना चाहिए, लेकिन इस प्रक्रिया में एक स्वतंत्र प्रारंभिक जांच तंत्र शामिल होना चाहिए जो शिकायतों को संसदीय रंगमंच तक सीमित करने से पहले उनका आकलन करने में सक्षम हो। देश को निरर्थक महाभियोग और पूर्ण दंडमुक्ति के बीच एक मध्य मार्ग की आवश्यकता है। संवैधानिक प्राधिकारियों के लिए प्रवर्तनीय आचरण नियमों की भी आवश्यकता है। तटस्थता को स्व–प्रमाणन पर नहीं छोड़ा जा सकता।

पीयू परिसर की सम सेमेस्टर परीक्षा 2026 का मूल्यांकन शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की सम सेमेस्टर परीक्षा 2026 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन बाला साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० वंदना सिंह ने गुरुवार को विधिवत पूजन के उपरांत प्रारंभ कराया। उन्होंने डा. पारुल त्रिवेदी, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता को मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकाओं का आवंटन किया. उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का समय पर सुचितापूर्ण मूल्यांकन करें. परीक्षा

नियंत्रक डॉक्टर विनोद कुमार सिंह ने राजभवन एवं उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के क्रम में समर्थ पोर्टल का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र परीक्षा परिणाम घोषित करने हेतु समन्वयक मूल्यांकन डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह एवं मूल्यांकन समिति डॉ० प्रवीण कुमार सिंह, डॉ सौरभ वी कुमार, डॉ अशोक यादव एवं डॉ सत्यम उपाध्याय को आवश्यक दिशा– निर्देश दिया. साथ ही बताया कि जिन विषयों की परीक्षाएं संपन्न होती जा रही हैं उन पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी होता रहेगा जिससे परीक्षा समाप्त होने के उपरांत समय से परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके. परीक्षा मूल्यांकन के उद्घाटन अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीपकुमार, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. विनोद कुमार, संजय शर्मा, श्याम त्रिपाठी, लाल बहादुर, बृजेश सिंह, मनु मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

भीरौरा गांव मे युवक की पीट पीट कर हत्या

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर।शिवगढ़ कोतवाली क्षेत्र के भीटौरा गांव में ग्राम प्रधान के खिलाफ चल रही शिकायत की जांच की रंजिश में 28 वर्षीय युवक जसवंत सिंह की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। मंगलवार शाम बाजार से घर लौटते समय दबंगों ने उसे घेर लिया और लाठी–डंडों व कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाए गए जसवंत को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद गांव में तनाव व्याप्त है।मृतक के भाई बलवंत सिंह के मुताबिक,जसवंत सिंह शिवगढ़ बाजार से सब्जी लेकर बाइक से घर लौट रहे थे।भटौरा इंटर कॉलेज के पास शंकर यादव के घर के सामने पहले से घात लगाए हमलावरों ने उनकी बाइक रुकवा ली।आरोप है कि नीचे गिराकर लाठी,डंडों और कुल्हाड़ी से बेरहमी से हमला किया गया। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।परिजनों का आरोप है कि गांव में ग्राम प्रधान के कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच चल रही थी। इसी शिकायत के कारण प्रधान पक्ष के लोग जसवंत से रंजिश रखते थे। जांच से नाराज आरोपियों ने सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम दिया।मृतक के भाई की तहरीर पर ग्राम प्रधान मान सिंह, रामशरण, रामजस, रामसुरेश, नीरज, सूरज, धनंजय समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह ने बताया कि शाम करीब सात बजे मारपीट की सूचना मिली थी।घायल को तत्काल अस्पताल भेजा गया,जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

ठाकुरद्वारा में गंदगी पर हाईकोर्ट सख्त, नगर निगम को तुरंत सफाई के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट ने ठाकुरद्वारा मोहल्ले में व्याप्त गंदगी और आवारा जानवरों की समस्या पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने नगर निगम को क्षेत्र में तत्काल सफाई सुनिश्चित करने और आवारा पशुओं को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने इलाके की तस्वीरें देखने के बाद नाराजगी व्यक्त की और टिप्पणी की कि सड़कों पर कूड़े का अंबार लगा है, जिससे स्पष्ट होता है कि लंबे समय से सफाई नहीं की गई है।न्यायालय ने अगली सुनवाई की तिथि 11 मई नियत कर तब तक पूरे क्षेत्र की सफाई कराने के साथ ही आवासीय इलाके से डंपिंग यार्ड हटाने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा है। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की पीठ ने यह आदेश सैयद अली हसन आबिदी की जनहित याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया था कि रिहायशी क्षेत्र में कूड़ा डाला जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उधर, नगर निगम ने कोर्ट को बताया कि क्षेत्र के निवासी डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे। हालांकि, अदालत ने इस तर्क को पर्याप्त नहीं माना और कहा कि जिम्मेदारी केवल निवासियों पर नहीं डाली जा सकती।

लोकधन का सजग संरक्षक है निधि लेखा विभाग : सुरेश कुमार खन्ना

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में निधि लेखा विभाग के सौ वर्ष पूरे होने पर सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विभाग को लोकधन का सजग संरक्षक बताते हुए डिजिटल तकनीकों से ऑडिट को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विभाग की स्मारिका, आधिकारिक वेबसाइट और विशेष डाक आवरण का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर मुनाल संस्था के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संयोजन व निर्देशन मुनालश्री विक्रम बिष्ट ने किया।

खाना खाने जा रहे दोस्तों पर रॉड से जानलेवा हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। विभूतिखंड में 24 अप्रैल को दोस्तों पर दबंगों ने रॉड से जानलेवा हमला किया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 26 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मूलरूप से रायबरेली निवासी राजीव तिवारी विभूतिखंड स्थित अंकिता बॉयज हॉस्टल में रहते हैं। राजीव के अनुसार, वह दोस्तों आरव सिंह और युवराज यादव के साथ रात नौ बजे खाना खाने जा रहे थे। शहीद पथ पर एएस मेडिकल अस्पताल के पास अविरल श्रीवास्तव, चंदन सिंह, विवेक पाठक, अमन यादव, संदीप दुबे, मोहसिन खान, कुणाल पांडे, सिद्धार्थ, अनूप, व्योम दीक्षित, नीतीश यदुवंशी और 15 अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका।

'अमरूद की बागवानी के साथ अन्य फसलों को भी अपनाना चाहिए, जिससे आय दोगुनी होगी' 'महानिदेशक संजय सिंह'

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर । अयोध्या आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा महाविद्यालय सभागार में "पूर्वी उत्तर प्रदेश में सतत आजीविका के लिए अवसर, संभावनाएं एवं प्रबंधन" विषय पर दो दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, कुलपति डॉ. पी. एस. प्रमाणिक एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। सह–अधिष्ठाता डॉ. भानु प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न व बुके भेंटकर सम्मानित किया। किसानों को संबोधित करते हुए उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि अमरूद के बाजारीकरण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन पर ध्यान देकर किसान अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमरूद को तोड़ने से पहले उसकी ग्रेडिंग जरूरी है, जिससे बाजार में बेहतर दाम मिल सके। साथ ही किसानों को अमरूद की बागवानी के साथ अन्य फसलों को भी अपनाना चाहिए, जिससे आय दोगुनी हो सकती है। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. पी.एस. प्रमाणिक ने कहा कि गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए पौधों का सही आकार और कटिंग बेहद जरूरी है। उन्होंने अमरूद को "गरीबों का सेब" बताते हुए कहा कि इसमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। आने वाले समय में सघन बागवानी किसानों की आय बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। वित्त नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि अमरूद की खेती कम लागत, टिकाऊ और अधिक मुनाफे वाली खेती है। इससे किसान बेहतर आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. निरंजन के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आर.के. आनंद ने किया, जबकि संचालन डॉ. आशीष सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक, समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक, छात्र–छात्राएं एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

टक्कर के बाद डीसीएम में फंसी बाइक, घिसटते चले गए सवार, एक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा में सोमवार सुबह तेज रफ्तार बाइक सामने से आ रही चीनी लदी डीसीएम से टकरा गई। बाइक सवार दो लोग डीसीएम में फंसकर दो सौ मीटर तक घिसटते चले गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में लिया है। इंस्पेक्टर सोबरन सिंह के अनुसार, माधवपुर निवासी अमन की रविवार को शादी थी। उनकी बरात बाराबंकी के देवा गई थी। अमन के भाई वीरपाल भी बरात में शामिल होने के लिए बाइक से इटौंजा के शिवरी निवासी साथी प्रशांत सिंह (25) के साथ गए थे। सोमवार सुबह दोनों घर लौट रहे थे। बाइक बिना हेलमेट पहने प्रशांत चला रहे थे, जिसकी रफ्तार तेज थे। सुबह करीब सात बजे इटौंजा स्थित सोनारन पुरवा गांव के पास सामने से आ रही चीनी लदी डीसीएम से उनकी बाइक टकरा गई। दोनों बाइक के साथ डीसीएम में फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपी चालक ने डीसीएम रोकने के बजाय उसकी गति बढ़ा दी। राहगीर चिल्लाते रहे, लेकिन चालक नहीं रुका। महोना चौकी के पास आरोपी ने डीसीएम रोक दी और वहां से भाग निकला। चौकी के पुलिस कर्मियों ने लोगों की मदद से दोनों को बहार निकाला, लेकिन तब तक प्रशांत की मौत हो चुकी थी। वहीं, वीरपाल की हालत गंभीर देख उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि डीसीएम को कब्जे में लिया गया है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। सोमवार सुबह घर पर अमन की बरात आने पर खुशियां मनाई जा रही थीं, जो हादसे की खबर मिलने पर मातम में बदल गईं। घरवाले आननफानन ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। उधर, प्रशांत की मौत की खबर सुनते ही उनके डाला चालक पिता उदय भान सिंह की हालत बिगड़ गई। पत्नी और परिवार के अन्य लोगों में चीख–पुकार मच गई। प्रशांत के चचेरे भाई ने बताया कि भाई दिल्ली स्थित खिलौना फैक्टरी में काम करता था। कुछ दिन पहले ही वह गांव आया था।

परास्नातक के पाठ्यक्रमों में दाखिला शुरू, आवेदन की अंतिम तारीख 15 जून, लर्न पंजीकरण अनिवार्य

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2026–27 के लिए परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश प्रणाली के तहत समर्थ पोर्टल के माध्यम से सोमवार यानी 27 अप्रैल से पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत कर दी गई। आवेदन की अंतिम तारीख 15 जून है। लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में पीजी में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए लर्न पंजीकरण अनिवार्य होगा। लविवि प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों को सबसे पहले यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (लर्न) लिंक के जरिये नया रजिस्ट्रेशन करना होगा। अभ्यर्थियों के ईमेल पर ओटीपी भेजा जाएगा। फिर अभ्यर्थी को अपनी प्रोफाइल पूरी करनी होगी और 100 रुपये शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। भुगतान के बाद लर्न नंबर जेनरेट होगा, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखना आवश्यक है। फिर मनचाहे परास्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार अलग से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसमें प्रोग्राम का चयन, शैक्षणिक विवरण भरना, जरूरी दस्तावेज अपलोड करना और आवेदन शुल्क जमा करना शामिल है। आवेदन सबमिट

करने से पहले फॉर्म का प्रीव्यू ध्यान से जांचना जरूरी है। लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2026–27 के लिए निम्न परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की गई है। एलएलबी (3 वर्ष) में 352 सीटें हैं। एलएलएम में 66 सीटें हैं। एमए (एंथ्रोपोलॉजी) में 38 सीटें हैं। एमए (अरब कल्चर) में 38 सीटें हैं। आचार्य में 25 सीटें हैं। बी.लिब.आई.एससी. में 25 नियमित और 25 स्ववित्तपोषित सीटें हैं। बी.पी.एड. में 125 सीटें हैं। एग्जीक्यूटिव एमबीए में 30 स्ववित्तपोषित सीटें हैं। एमए (अरबी) में 38 सीटें हैं। एमए (क्रिमिनोलॉजी एवं क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन) में 50 सीटें हैं।

आयकर विभाग के कर्मी व पांच वर्षीय बेटे पर बेलचे से हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। हुसैनगंज के छितवापुर खटिकाना मोहल्ले में रविवार शाम दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। आयकर विभाग के कर्मचारी सुधीर सोनकर और उनके पांच वर्षीय बेटे पर बेलचे से हमला किया गया। दूसरे पक्ष की महिला ने भी उन्हें और पति को पीटने का आरोप लगाया है। हुसैनगंज पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर दस आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सुधीर सोनकर ने बताया कि वह रविवार शाम करीब छह बजे बेटे एकांश के साथ घर लौट रहे थे। रंजिश के कारण अमन सोनकर, ब्रजकिशोर और रानी ने उन्हें रोका। आरोपियों ने गाली–गलौज की और विरोध करने पर बेलचे से उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उनके सिर पर काफी गहरी चोट आ गई। गनीमत रही कि बेटा बच गया, पर वह बुरी तरह से घबरा गया। शोर मचाने पर लोग मदद को दौड़े तो आरोपी वहां से भाग निकले और लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। उधर, रानी सोनकर ने बताया कि रात करीब आठ बजे उनके पति को बबली, डोनिल मौका, ऋषि, सुस्मिता, मोनिका, काके और दया ने पीटा। पति के चिल्लाने की आवाज सुनकर वह बाहर निकलीं तो आरोपियों ने उन्हें भी मारा। आरोपियों ने उन पर पथराव भी किया।

रहस्यमय हालात में फ्लैट की तीसरी मंजिल से गिरकर युवक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। नरही के गंगासागर अपार्टमेंट में रहने वाले बिहार के समस्तीपुर निवासी जूना उर्फ प्रिंस (23) की रहस्यमय हालात में तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना रविवार देर रात की है। फ्लैट संख्या 308 में रहने वाले चेतन सक्सेना के यहां जूना काम करता था। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किए हैं। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल के मुताबिक चेतन सक्सेना ने दो वर्ष पहले किराये पर फ्लैट लिया था। वह ऑटोमेटिक बैरियर्स का व्यापार करते हैं। चेतन ने बताया कि उनके फ्लैट में जूना के अलावा समस्तीपुर का ही विकास भी रहता है। दोनों उनके यहां काम करते थे। रात में सभी कमरे में थे। इसी दौरान सूचना मिली कि जूना फ्लैट की बालकनी से नीचे गिर गया है। नीचे जाकर देखने पर जूना के सिर से खून बह रहा था। सोसायटी के लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

अवैध दवा कारोबार पर कड़ी कार्रवाई जौनपुर के औषधि निरीक्षक रजत पाडेय सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में प्रदेश में नकली और अवैध दवाओं के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्य के चलते जौनपुर के औषधि निरीक्षक रजत कुमार पांडेय को योगी सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। मंगलवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश में अवैध दवाओं के भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए गए व्यापक अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। शासन के निर्देश पर पूरे प्रदेश में कोडिनयुक्त कफ सिरप और एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं के अवैध कारोबार के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया था। इस अभियान के दौरान जौनपुर जनपद ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अभियान के तहत जिले में कई स्थानों पर छापेमारी कर अवैध दवा कारोबार से जुड़े बड़े सिंडिकेट और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई। औषधि निरीक्षक रजत पांडेय ने बताया कि मुख्यालय स्तर पर गठित विशेष टीम के साथ समन्वय बनाते हुए लगातार निगरानी रखी गई, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सका। उन्होंने कहा कि दवाओं के अवैध भंडारण, खरीद–बिक्री और वितरण को रोकने के लिए विभाग ने लगातार अभियान चलाया। उनकी टीम की कड़ी मेहनत और सतर्कता के चलते दवाओं के डायवर्जन पर रोक लगाने में सफलता मिली है, जो जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. रोशन जैकब ने रजत पांडेय के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से जिले के औषधि विभाग में खुशी का माहौल है और इसे स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है।

बहन के घर आए युवक का नहर में मिला शव संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के कनावा नहर में पुलिया के नीचे मंगलवार की रात को एक 40 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने नहर में पुलिया के नीचे शव देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मड़ियाहूं थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे ने शव को कब्जे में लेकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी।देर रात पुलिस द्वारा पहचान के दौरान मृतक की शिनाख्त जटाशंकर सरोज (40) पुत्र अमरनाथ सरोज निवासी बिठौली, थाना हंडिया, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई। मृतक मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में अपनी बहन के घर 26 अप्रैल को वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया हुआ था। मौके पर पहुंचे रानीपुर गांव निवासी भांजे अजीत कुमार सरोज ने बताया की मंगलवार की सुबह मामा जटाशंकर सरोज करीब 10 बजे घर से निकले हुए थे देर रात शव नहर में मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया।वही इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल देर रात भेजा गया हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया है तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण विवाह का भावपूर्ण वर्णन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन मंगलवार को कथावाचक शिवानंद भाई श्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और विस्तृत वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने श्रीकृष्ण के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथावाचक ने विशेष रूप से भगवान श्रीकृष्ण के जामवंत की पुत्री जामवंती से विवाह का प्रसंग सुनाया। उन्होंने जामवंत और श्रीकृष्ण के बीच हुए युद्ध तथा उसके पश्चात जामवंत द्वारा अपनी पुत्री का विवाह श्रीकृष्ण से कराने की कथा को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। इस प्रसंग के माध्यम से भक्ति, समर्पण और धर्म के महत्व को सुंदर ढंग से समझाया गया। साथ ही श्रीकृष्ण की अन्य रानियों के साथ विवाह की कथाएं भी सुनाई गईं, जिसने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक भाव में डुबो दिया। इसके अतिरिक्त कथा में जनकपुर की एक रोचक घटना का भी उल्लेख किया गया। कथावाचक ने बताया कि एक कार्यक्रम के दौरान बंदरों के कारण कुछ समय के लिए व्यवधान उत्पन्न हो गया था। तब राजा जनक ने भगवान श्रीराम से प्रार्थना की, जिसके पश्चात उनकी कृपा से स्थिति सामान्य हो गई और कार्यक्रम पुनः सुचारु रूप से आरंभ हो सका। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भजन–कीर्तन और भगवान के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति की। कार्यक्रम के अंत में विधिवत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया आज बुधवार को भगवान की शादी के उपरांत फूलों की होली खेली जाएगी।जिसमें भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के अन्य प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।

पीएम मोदी के रोड शो से पहले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बुधवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित रोड शो के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा संभावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए जौनपुर पुलिस ने एहतियातन बड़ी कार्रवाई की। मंगलवार देर रात जिले भर के कई प्रमुख कांग्रेस नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह को सुजानगंज स्थित उनके आवास पर पुलिस बल की निगरानी में रखा गया। वहीं खुटहन थाना क्षेत्र में जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा को भी पुलिस ने उनके घर पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया। इसके अलावा शहर अध्यक्ष आरिफ खान, प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, पंकज सोनकर और कांग्रेस नेता जयमंगल यादव सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं को भी नजरबंद किया गया। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से की गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वहीं कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई है। बुधवार को जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बिना पूर्व सूचना के इस प्रकार नजरबंदी करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। इस कार्रवाई के बाद जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है।

एम्स के रैन बसेरे में नहीं मिल रही जगह... खुले आसमान तले गुजर रही रात

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स में इलाज के लिए दूर–दराज के जिलों से रोजाना बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों के लिए अस्पताल परिसर में बने रैन बसेरों में कमरे नहीं मिल रहे हैं और न ही परिसर में जगह मिल पा रही है। रैन बसेरे में जगह नहीं मिलने पर कई तीमारदारों को पेड़ों के नीचे, खुले आसमान के नीचे या अस्पताल परिसर के किनारे रात गुजारनी पड़ रही है। एम्स परिसर में वर्तमान समय में तीमारदारों के लिए कुल 145 बेड की व्यवस्था है। सामान्य दिनों में यहां रोजाना 100 से अधिक तीमारदार ठहरते हैं, लेकिन इन दिनों मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण तीमारदारों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। ऐसे में रैन बसेरे के सभी बेड जल्दी भर जा रहे हैं

और देर रात पहुंचने वालों को जगह नहीं मिल पा रही है। अस्पताल में इलाज कराने के लिए बिहार, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बस्ती और सिद्धार्थनगर जैसे जिलों से मरीज आते हैं। इलाज लंबा चलने या भर्ती होने की स्थिति में उन्हें कई दिन रुकना पड़ता है। रैन बसेरे में जगह न मिलने से उन्हें पेड़ों के नीचे चादर बिछाकर दिन–रात बितानी पड़ती है। दिन में तेज धूप और रात में मच्छरों व उमस से उन्हें काफी परेशानी होती है। सोमवार को दोपहर एक बजे देवरिया से आए आशीष पांडेय ने बताया कि अस्पताल प्रशासन को बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बेड और अस्थायी रैन बसेरे की व्यवस्था करनी चाहिए। खासकर गर्मी के मौसम में खुले में रहने में काफी मुश्किल हो रही है। वहीं झंगहा क्षेत्र के रितेश की बेटी भर्ती हैं। बेटी की मां ने बताया कि रैन बसेरा में रहने के लिए गए थे। सामान ज्यादा होने के कारण बसेरा वालों ने वहां रखने से इन्कार कर दिया। ऐसे में लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बेटी भर्ती हैं तो यहां तीन–चार लोगों की जरूरत पड़ रही है।

छात्रा ने प्रधानाचार्य पर लगाया साजिश के तहत हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा प्रेटिकल में फेल करने का आरोप

अयोध्या। जिले के आजाद इंटर कॉलेज पलिया जगमोहन सिंह कुचेरा में हाई स्कूल की एक छात्रा ने स्कूल के प्रधानाचार्य पर आरोप लगाया कि उसे ईर्ष्या बस हाई स्कूल यूपी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 में साजिश के तहत प्रयोगात्मक परीक्षा में काफी कम अंक दिए गए।जिसके चलते उक्त छात्रा फेल हो गई।इससे आहत होकर उक्त छात्रा अपने पिताजी के साथ बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी के सामने पेश होकर अपनी व्यथा सुनाई।उन्होंने कहा कि जिसके चलते उसका 1 साल बर्बाद हो गया।उन्होंने कहा कि इससे मानसिक रूप से आघात लगा है।जिसके लिए मुख्य रूप से दोषी आरोपी प्रधानाचार्य हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर तिवारी ने कॉलेज के आरोपी प्रधानाचार्य देव कुमार यादव उर्फ बिल्लू से पूछा कि इतना काम नंबर कैसे मिला पहले तो प्रधानाचार्य जिला विद्यालय निरीक्षक को गुमराह करते दिखे लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक के यह कहने पर की अगर उक्त छात्रा के साथ न्याय नहीं हुआ तो कुछ ही दिनों में आपके स्कूल के तथा आप पर करो कार्यवाही की जाएगी साथ ही साथ उन्होंने आरोपी प्रधानाचार्य को यह भी निर्देश दिया की तय सीमा के अंदर आप सभी दस्तावेज और इस प्रैक्टिकल में जी शिक्षक ने मार्क दिया था उनको भी लेकर आए।उन्होंने छात्रा तथा उनके पिता को अस्वस्थ किया कि आपके साथ न्याय होगा और हम जितनी मदद कर पाएंगे करेंगे।

अपना दल (एस) कार्यकर्ता ने अपने शरीर को दान करने की घोषणा

अयोध्या। अपना दल (एस) के कार्यकर्ता राष्ट्रीय सचिव किसान मंच सम्राट अंजनी कुमार मौर्य ने अपने शरीर को दान किया।उन्होंने यह निर्णय अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर लिया उन्होंने कहा कि वह अपना शरीर दान मरणोपरांत राजर्षि दशरथ ऑटोनामस स्टेट मेडिकल कॉलेज अयोध्या में करेंगे।इस मौके पर डाक्टर माता प्रसाद वर्मा,डॉक्टर योगेंद्र प्रताप सिंह,अरविंद कुमार वर्मा, आलोक मौर्या, रोहित वर्मा,सूरज वर्मा, प्रमोद वर्मा,शिवाजी सहित कई मौजूद रहे।

शिक्षकों की मांग पूरी होने तक संघर्ष का ऐलान जन आंदोलन बनेगा धरना – आलोक तिवारी

अयोध्या। आगामी 2 मई 2026 दिन शनिवार को संगठन के केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जनपद स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय शिक्षक समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरने का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर होगा।जिसमें जनपद स्तर की समस्याओं के तत्काल निस्तारण के साथ प्रदेशीय समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से प्रेषित किया जाना है।इस धरने में जिला कार्यकारिणी, सक्रिय सदस्यों के साथ संघनिष्ठ साथियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।उपरोक्त बातें जिला संगठन के जिला मंत्री आलोक तिवारी ने कहा धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राकेश पांडे तथा मुख्य वक्ता शिक्षक विधायक नेता शिक्षक दल माननीय धूप कुमार त्रिपाठी होंगे।उन्होंने बताया कि माध्यमिक चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 18 एवं 21 की वापसी

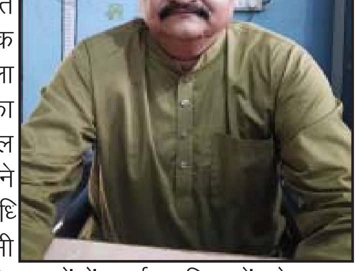

पुरानी पेंशन की बहाली,वित्तविहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन 22 मार्च 2016 की राज आज्ञा से आच्छादित एवं विनियमित शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ देने वंचित तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण किया जाए व्यवसायिक शिक्षकों को भी विनियमित करते हुए उन्हें पूर्ण कालिक शिक्षक का दर्जा दिया जाए।अगर मांगे ना पूरी हुई तो जनपद स्तरीय समस्याओं का निस्तारण तत्काल नहीं हुआ तो संगठन अनिश्चितकालीन धरना देगा।

कानफोड़ू डीजे बना विवादों की जड़, शादियों में बढ़े खूनी संघर्ष के मामले

गोरखपुर, (संवाददाता)। शादी और अन्य समारोहों में कानफोड़ू डीजे अब केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव और हिंसक घटनाओं की वजह भी बनता जा रहा है। पहले जहां देर रात तक बजने वाले डीजे से लोगों की नींद और सेहत प्रभावित हो रही थी, वहीं अब छोटे–छोटे विवाद जानलेवा झगड़ों और खूनी संघर्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। पिछले तीन सालों में गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में डीजे से जुड़े कई विवाद सामने आए हैं। एक मामले में शादी समारोह के दौरान गाना बदलने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जहां डीजे कर्मी के स्टाफ पर चाकू से हमला कर दिया गया।

जरूरत से छह हजार कम मिल रहे गैस सिलिंडर

गोरखपुर, (संवाददाता)। रसोई गैस की किल्लत अभी भी बनी हुई है। जिले में जरूरत के हिसाब से करीब छह हजार गैस सिलिंडर की आपूर्ति कम हो रही है। ऐसे में होम डिलीवरी में दिक्कत आ गई है। इसी वजह से लोग गोदामों पर सुबह से ही गर्मी में लाइन में लग जा रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में मारपीट की नौबत तक आ जा रही है। आपूर्ति विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, जिले में प्रतिदिन सामान्य दिनों में 28 से 30 हजार के आसपास गैस सिलिंडर की मांग है और आपूर्ति लगभग 22 हजार के आसपास हो रही है। इस कारण लोगों को होम डिलीवरी में कुछ दिन की देरी हो रही है। सोमवार को ज्यादातर गैस एजेंसियां पर बंदी रही जिससे होम डिलीवरी भी बहुत कम हुई। सप्ताह भर से ज्यादा समय होने के बाद भी लोगों के घर गैस सिलिंडर नहीं पहुंच पा रहा है। उपभोक्ता विकास सिंह का कहना है कि तेज धूप और गर्मी के कारण एजेंसी पर जाकर घंटों लाइन में लगना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में होम डिलीवरी ही एकमात्र विकल्प बचता है, लेकिन उसमें भी देरी होने से परेशानी और बढ़ रही है। इसी तरह विवेकपुरम, तारामंडल की कांति उपाध्याय का कहना है कि 17 अप्रैल को बुकिंग की थी, अब तक सिलिंडर घर नहीं पहुंचा है। बुजुर्ग होने के चलते एजेंसी पर लाइन लगाने में दिक्कत है। जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। होम डिलीवरी ज्यादा से ज्यादा करने का निर्देश दिया गया है।

रामनगरी हर घर जल जीवन मिशन सरकारी योजनाओं में पैसों की लूट – श्री राम सेना

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में श्री राम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने डीएम शशांक तिवारी से हर घर जल जीवन मिशन के तहत ग्राम सभा जयसिंहमऊ ब्लॉक तारुन अयोध्या की शिकायत दर्ज कराई गई।शिकायत के माध्यम से दिनेश सिंह बताया कि उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण के अवर अभियंता कर्मवीर की देखरेख में हैदराबाद की कार्यदाई संस्था को पानी की टंकी बाउंड्री वॉल पावर हाउस एवं 4 से 5000 हजार घरों में पाइप बिछाने का कार्य 4 करोड़ 4 लाख में 2022 मे दिया गया जो 2024 में पूरा भी हो गया संस्था ने खुद कार्य न करा कर वर्तमान ब्लाक प्रमुख तारुन फयाराम वर्मा कंपनी को दिया, फयाराम वर्मा कंपनी ने तारुन ब्लॉक के बालू मौरंग सप्लायर वेद तिवारी जिनको टंकी बनाने का कोई अनुभव नहीं प्राप्त है मिलकर काम किया एवं ग्राम सभा जयसिंहमऊ के प्रधान संदीप वर्मा को बाउंड्री वॉल एवं पावर हाउस बनाने का काम दिया गया इन लोगों ने ना केवल घटिया निर्माण किया

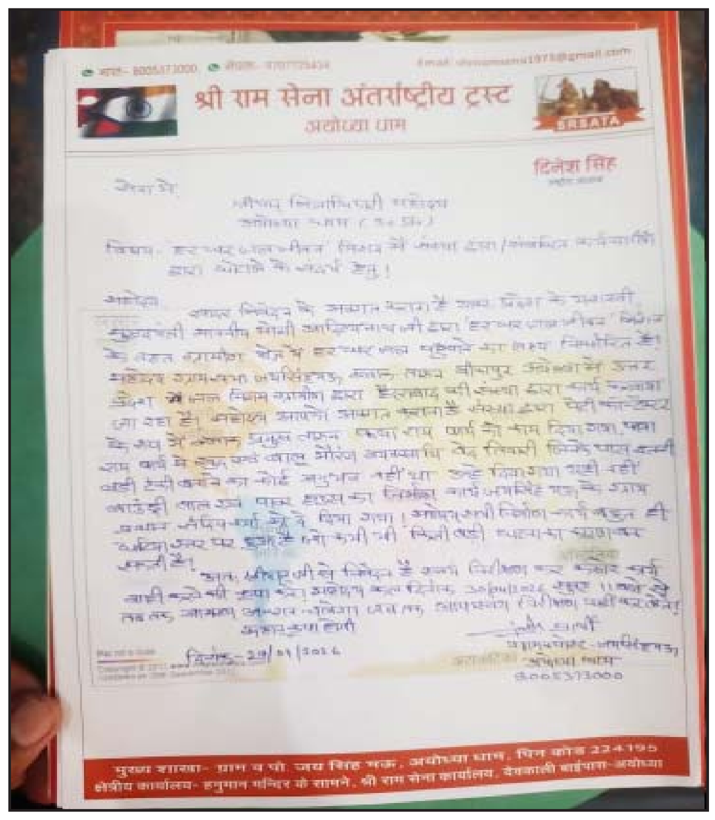

बल्कि समय–समय पर अवर अभियंता की देखरेख में करोड़ों का भुगतान भी लेते रहे दिनेश सिंह जिलाधिकारी से निवेदन किया कि जब तक आपके द्वारा स्थलीय निरीक्षण करके कठोर कार्रवाई नहीं की जाती तब तक कल दिनांक 30/04/2026 से पानी की टंकी के पास ग्राम सभा जयसिंहमऊ मे आमरण अनशन चलता रहेगा !

वैश्य समाज की राजनीति में बढ़ेगी भागीदारीरू आरती जायसवाल

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अखिल भारतीय वैश्य महासभा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ध्रुव गुप्ता (कसौधन) को बुधवार को मया स्थित उनके आवास पर बधाई दी गई। इस दौरान गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद व जय बाबा अमरनाथ बर्फानी सेवा समिति (रजि.) की अध्यक्ष आरती जायसवाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दीं। आरती जायसवाल ने कहा कि वैश्य बिरादरी अभी राजनीति में पीछे है, लेकिन जिस दिन समाज में राजनीतिक सहभागिता की भावना जागृत होगी, उस दिन केंद्र और प्रदेश की सरकारों में इसकी अहम भूमिका देखने को मिलेगी।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ध्रुव कसौधन ने कहा कि गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र में वैश्य समाज की आबादी करीब 60 हजार है। समाज को संगठित करने के लिए जल्द ही जिले के नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में बैठकें आयोजित कर स्वजातीय बंधुओं को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा।इस मौके पर सभासद प्रतिनिधि दिनेश कुमार जायसवाल, समेत कई लोग मौजूद रहे।

शहर के दो पंप दोपहर बाद ड्राई, पांच पर सिर्फ स्पीड पेट्रोल

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर में सोमवार दोपहर बाद पेट्रोल की किल्लत फिर बढ़ गई। पादरी बाजार समेत पांच पंपों पर साधारण पेट्रोल पूरी तरह खत्म हो गया। यहां स्पीड पेट्रोल पंप दिया गया। वहीं, सभी पेट्रोल पंपों पर तेल भरवाने के लिए भीड़ लगी रही। उधर, मोहद्दीपुर और रामनगर कड़जहां के पास पेट्रोल पंप पर तेल खत्म हो गया। इसके बाद लोग दूसरे पेट्रोल पंप पर भटकते रहे। पादरी बाजार, श्रीराम चौराहा, लाली फ्यूल, राजेंद्रनगर स्थित पंपों पर भी ईंधन न मिलने से बाइक वालों के साथ चारपहिया वाहन वालों को भी दिक्कतें हुईं। लोग एक पेट्रोल पंप से दूसरे पंपों तक जाते नजर आए। कई लोग पेट्रोल न मिलने पर लौट गए। यूनिवर्सिटी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर भी साधारण पेट्रोल खत्म हो चुका था। यहां केवल स्पीड पेट्रोल उपलब्ध होने के कारण लोगों की लंबी लाइन लग गई। कई पंपों पर पेट्रोल नहीं है का बोर्ड लगाना पड़ा। पादरी बाजार पंप पर बाइक में पेट्रोल खत्म होने की वजह से बाइक के साथ पैदल जा रहे परेशान अजय ने बताया कि वह जरूरी काम से निकले थे, अचानक पेट्रोल खत्म हो गया। दो पंपों पर जाने के बाद भी पेट्रोल नहीं मिला। यूनिवर्सिटी के पास पंप पर साधारण पेट्रोल खत्म हो गया तो स्पीड के लिए लोगों की लंबी लाइन लग गई। सूबा बाजार के रहने वाले रवि ने बताया कि स्पीड पेट्रोल के लिए लंबी लाइन में खड़े रहना पड़ा, जिससे पूरा एक घंटा समय बर्बाद हुआ। अचानक हुई इस कमी से शहर के अन्य पेट्रोल पंपों पर भी भीड़ बढ़ गई। हालांकि कुछ पंपों पर ईंधन उपलब्ध था, लेकिन वहां भी लोगों की लाइन देखी गई और पेट्रोल भरवाने के लिए इंतजार करना पड़ा। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सोमवार का दिन होने के कारण ऑयल कंपनियों की छुट्टी रहती है। हालांकि स्थिति को सामान्य करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में तेल टैंकर मंगाए जा रहे हैं।

पत्रकार को अपशब्द कहने वाले डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

अयोध्या।राजर्षि दशरथ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में मर्यादाओं को ताक पर रखने का एक गंभीर मामला सामने आया है।यहाँ तैनात ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. डीके सिंह पर एक वरिष्ठ पत्रकार के साथ न केवल अभद्रता करने, बल्कि उन्हें दलाल कहकर अपमानित करने का आरोप लगा है।यह विवाद उस समय गहरा गया जब पत्रकार ने मेडिकल कॉलेज में व्याप्त कथित अनियमितताओं के संबंध में चिकित्सक का पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क साधा।आरोप है कि पहले तो डॉक्टर ने फोन नहीं उठाया, लेकिन बाद में स्वयं कॉल बैक कर पत्रकार के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की।हैरत की बात यह है कि डॉ. सिंह का यह व्यवहार कोई पहली घटना नहीं है। इससे पूर्व भी उन पर एक कनिष्ठ अभियंता जेई राजेश कुमार को जूता लेकर मारने के लिए दौड़ाने का सनसनीखेज आरोप लग चुका है।उस

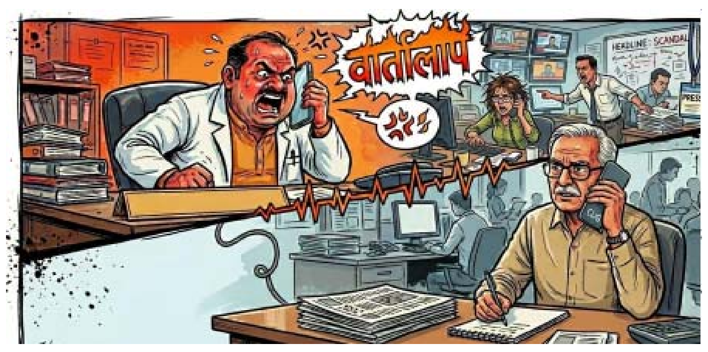

समय भी इस खबर को संबंधित पत्रकार द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था।जिसे चिकित्सक ने अपनी व्यक्तिगत रंजिश का आधार बना लिया। इस बार जब पत्रकार ने उनके दुर्व्यवहार की शिकायत जिलाधिकारी से करने की चेतावनी दी, तो सत्ता और पद के मद में चूर डॉक्टर ने कथित तौर पर दो टूक कहा कि वे किसी से नहीं डरते, चाहे शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुँच जाए।इस घटना ने चौथे स्तंभ के सम्मान पर गहरी चोट की है, जिससे स्थानीय मीडिया जगत में भारी आक्रोश है। पीड़ित पत्रकार ने इस मामले को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से लिखित शिकायत करने का निर्णय लिया है। प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा है कि यदि इस अहंकारी आचरण के विरुद्ध कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो आगामी सोमवार से सदर तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन एक लोक सेवक के इस बेलगाम व्यवहार पर क्या रुख अपनाता है।

डेढ़ घंटे में 18 मंदिरों का दर्शन कर रहे श्रद्धालु

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राम मंदिर परिसर में रामलला व राम परिवार सहित सभी 18 मंदिरों में दर्शन की शुरुआत हो चुकी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने इस व्यवस्था के अन्तर्गत सामान्य दर्शन पास के अलावा सुगम व विशिष्ट दर्शन पास के लिए कुल 15 सौ दर्शन पास निर्गत किया था।इनमें सामान्य, सुगम व विशिष्ट दर्शन के लिए अलग–अलग 500–500 शामिल थे। इस प्रकार कुल 1500 पास प्रत्येक ब्लॉक के लिए थे। इस दर्शन पास के लिए आनलाइन बुकिंग 11 अप्रैल से शुरू हुई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 29 अप्रैल के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से की गई व्यवस्था के मुताबिक सुबह सात बजे से रात बजे के मध्य छह स्लाट दो–दो घंटे के है जबकि पूर्वाह्न 11 बजे से 12 बजे का समय एक घंटे का ब्लॉक है। वहीं मध्याह्न 12 बजे से अपराह्न एक बजे तक रामलला व राम परिवार सहित सभी मंदिरों के पट बंद रहेंगे।इसके चलते 13 घंटे की दर्शन अवधि में सात स्लाट के लिए हर स्लाट में 15–15 सौ श्रद्धालुओं को सामान्य दर्शन पास के अलावा क्रमशः सुगम दर्शन पास व विशिष्ट दर्शन पास आवंटित किया गया है।

तीन दिन आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि के आसार

उन्नाव, (संवाददाता)। करीब एक सप्ताह से 40 से ऊपर तापमान और लू के थपेड़े झेल रहे लोगों को आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद है। मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से तीन दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि के आसार जताए हैं। तापमान में भी गिरावट की संभावना है। इसका असर सोमवार से दिखने भी लगा। आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने से अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री से लुढ़ककर 41 डिग्री सेल्सियस आ गया। अप्रैल में ही अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। तेज धूप चुभने लगी है। लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। हालांकि अब मौसम विभाग ने बदलाव के संकेत दिए हैं। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम विशेषज्ञ डॉ. सुनील पांडेय ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गर्मी से राहत मिल सकती है।

शादी का झांसा देकर दरोगा ने की युवती से छेड़खानी- दी धमकी

गोरखपुर, (संवाददाता)। कैंट क्षेत्र की एक युवती ने गोरखनाथ थाने में तैनात एक सब–इंस्पेक्टर (एसआई) पर शादी का झांसा देकर छेड़खानी, जबरदस्ती और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर कैंट थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कैंट थाना क्षेत्र के सिंघड़िया इलाके की रहने वाली युवती ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिछले करीब चार माह से गोरखनाथ थाने में तैनात एसआई अंकित पांडेय से उसकी जान–पहचान थी। एसआई ने शादी का झांसा देकर उसके साथ मेल–जोल बढ़ाया, जबकि वह पहले से ही विवाहित है।

पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने कई बार उस पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया लेकिन उसने शादी के बाद ही संबंध बनाने की बात कहकर इनकार कर दिया। इसके बावजूद आरोपी बार–बार उस पर दबाव बनाता रहा और बाहर घुमाने के बहाने उसे अकेले ले जाने की कोशिश करता था। जब पीड़िता को आरोपी के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी हुई और उसने इसका विरोध किया तो एसआई ने अपने पद का रौब दिखाते हुए उसके साथ गाली–गलौज की और गंभीर धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे चेतावनी दी कि यदि उसने किसी से शिकायत की तो उसे जान से मरवा देगा और उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। विवेचना में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या मे प्रधानमंत्री आवास योजना क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।भाजपा सरकार जहां एक ओर विकास के बड़े–बड़े दावे करती नजर आती है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। टेढ़ी बाजार चौराहे के पास स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बने आवासों में लगभग 10,000 लोगों की आबादी निवास करती है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव देखने को मिल रहा है।स्थानीय निवासियों के अनुसार, क्षेत्र में न तो नियमित सफाई व्यवस्था है और न ही पर्याप्त प्रकाश की सुविधा। करीब दो वर्ष पूर्व लगाए गए स्ट्रीट लाइट पोल आज भी केवल शोपीस बने हुए हैं। डेढ़ साल से ये लाइटें कभी जली ही नहीं, जिससे पूरे इलाके में रात के समय अंधेरा छाया रहता है।इतना ही नहीं, आवास परिसर में बने दो पार्क भी बदहाली का शिकार हैं। दोनों पार्कों में कूड़े के ढेर लगे हुए हैं और कहीं भी हरियाली या पौधारोपण का नामोनिशान नहीं है। जबकि सरकार द्वारा हर घर पौधा लगाने और पार्कों के सुंदरीकरण के लिए लाखों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्कों में बैठने तक की व्यवस्था नहीं है और ओपन जिम जैसी सुविधाएं भी केवल कागजों तक सीमित हैं। इससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।यह क्षेत्र टेढ़ी बाजार चौराहे से महज 500 मीटर और श्री राम जन्मभूमि मंदिर से लगभग 800 मीटर की दूरी पर स्थित है। बावजूद इसके, जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का इस ओर ध्यान नहीं जा रहा है। निवासियों का आरोप है कि मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और महापौर कई बार इस मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन कभी भी इस समस्या पर संज्ञान नहीं लिया गया।अब स्थानीय जनता प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगा रही है कि जल्द से जल्द पार्कों का सुंदरीकरण कराया जाए, ओपन जिम की व्यवस्था की जाए, स्ट्रीट लाइट चालू की जाएं और नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।